समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026

बिज़नेस अपडेट : ऑनलाइन शॉपिंग, FII, शेयर मार्केट और USD बनाम INR मे हंलचल

Sanket Morankar Published on 15 Sep 2025

भारतीय व्यापार और शेयर मार्केट में इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाएं देखने को मिलीं। **ऑनलाइन शॉपिंग, विदेशी निवेश (FII), डॉलर बनाम रुपये का रेट, RBI और SEBI के नियम** सभी क्षेत्रों में हलचल रही। व्यापार विशेषज्ञों ने कहा है कि ये संकेत भारत की अर्थव्यवस्था की दिशा को समझने में मदद कर रहे हैं।

🛒 ऑनलाइन शॉपिंग में बदलाव

ई-कॉमर्स सेक्टर में उपभोक्ताओं की खरीदारी पैटर्न में बदलाव देखा गया।

- लॉकडाउन और त्योहारों के मौसम के बाद खरीदारी में धीरे-धीरे वृद्धि।
- कई ई-कॉमर्स कंपनियों ने **कैशबैक और डिस्काउंट ऑफर** जारी किए।
- विशेषज्ञों का मानना है कि ऑनलाइन शॉपिंग में लगातार वृद्धि भारत की खुदरा अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत है।

🌍 FII निवेश का रुझान

विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) ने इस हफ्ते शेयर मार्केट में **संयमित निवेश** किया।

- NSE और BSE में FII की प्रविष्टियाँ सीमित रही।
- विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और अमेरिकी टैरिफ के चलते विदेशी निवेशक सतर्क हैं।
- हालांकि लंबी अवधि में भारतीय बाजार आकर्षक बना हुआ है।

📈 शेयर मार्केट अपडेट

इस हफ्ते **BSE सेंसेक्स और NSE निफ्टी** में उतार-चढ़ाव देखा गया।

- सेंसेक्स ने लगभग 200 अंकों की बढ़त दर्ज की।
- निफ्टी ने 25,000 स्तर को पार किया।
- IT और फार्मा सेक्टर में अच्छी लिस्टिंग रही, वहीं मिड और स्मॉल कैप स्टॉक्स में निवेशक सतर्क रहे।

विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार में हल्की वृद्धि निवेशकों के विश्वास की निशानी है, लेकिन विदेशी निवेशकों की धीमी प्रविष्टियों के कारण सतर्कता बनी हुई है।

? USD बनाम INR

डॉलर और रुपये के बीच विनिमय दर में हल्की बढ़त देखी गई।

- USD/INR ने 83.50 के स्तर को पार किया।
- इसका कारण वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और अमेरिका की मौद्रिक नीति के संकेत हैं।
- RBI ने विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप कर रुपये को स्थिर बनाए रखने की कोशिश की।

? RBI और SEBI के नए नियम

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) और SEBI ने निवेशकों और व्यापारियों के लिए कई नए नियम जारी किए हैं।

- SEBI ने म्यूचुअल फंड और स्टॉक ट्रेडिंग से जुड़े दिशानिर्देश अपडेट किए।
- RBI ने बैंकिंग सेक्टर में **नकदी प्रवाह और क्रेडिट नीति** पर नई गाइडलाइन दी।
- इसका उद्देश्य निवेशकों की सुरक्षा और बाजार की स्थिरता सुनिश्चित करना है।

? आयात-निर्यात और व्यापार

भारत के व्यापार में भी हल्की गति बनी हुई है।

- निर्यात में वृद्धि हुई, खासकर IT, फार्मा और कृषि उत्पादों में।
- आयात में तेल और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की मांग बढ़ी।
- व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक मांग और अमेरिकी टैरिफ की स्थिति से भारतीय निर्यात प्रभावित हो सकता है।

इस सप्ताह की बिज़नेस अपडेट ने स्पष्ट किया कि भारत के **शेयर मार्केट, ऑनलाइन शॉपिंग, FII निवेश और USD/INR** सभी क्षेत्रों में सतर्कता और अवसर दोनों हैं।

- निवेशकों को बाजार की चाल समझकर रणनीति बनानी होगी।
- व्यापारियों और नीति निर्माताओं के लिए यह संकेत है कि **स्थिरता और नीतिगत सुधार** आवश्यक हैं।
- आने वाले महीनों में त्योहारों और वैश्विक व्यापार स्थितियों के आधार पर बाजार में और हलचल देखने को मिल सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.